हिमाचल प्रदेश जायका कृषि परियोजना-II

विशेष समाचार डायरी

हमीरपुर: 4 फरवरी, 2026

जायका मिशन के प्रमुख श्री तकुरो ने चैतड़ू में किसान संगठनों के संयुक्त मंच का किया शुभारंभ

*सचिव (कृषि) डॉ. सी. पॉलरासु, मिशन सदस्य सुश्री तएको व सुश्री निष्ठा, परियोजना निदेशक डॉ. सुनील चौहान, एच.एफ.एन. के सी.ई.ओ. रुचित गर्ग, परियोजना के वरिष्ठ सलाहकार बी.एस. संधू भी उपस्थित थे *यह संयुक्त मंच प्रोजेक्ट की एक एग्री-बिजनेस पहल है

हमीरपुर, 4 फरवरी: जायका मिशन के प्रमुख श्री ताकेउची तकुरो ने समीक्षा दौरे के दूसरे दिन कांगड़ा जिले के चैतड़ू में हिमाचल प्रदेश किसान उत्पादक संगठनों के संयुक्त मंच का शुभारंभ किया. इस अवसर पर हिमाचल प्रदेश सरकार के सचिव (कृषि) डॉ. सी. पॉलरासु, परियोजना निदेशक डॉ. सुनील चौहान, एच.एफ.एन. के सी.ई.ओ. रुचित गर्ग और परियोजना के वरिष्ठ सलाहकार बी.एस. संधू उपस्थित थे। इस पहाड़ी राज्य के किसान संगठनों का यह संयुक्त मंच, हार्वेस्टिंग फार्मर्स नेटवर्क (एच.एफ.एन.), मोहाली के सहयोग से संगठित किया गया है. यह प्रोजेक्ट की एक एग्री-बिजनेस पहल है. जायका समीक्षा मिशन का नेतृत्व जायका-इंडिया के मुख्य प्रतिनिधि श्री ताकेउची तकुरो कर रहे हैं, जबकि सदस्य के तौर पर जायका-इंडिया की प्रतिनिधि सुश्री इवामोटो तएको और जायका-इंडिया की विकास विशेषज्ञ सुश्री निष्ठा वेंगुरलेकर शामिल हैं। परियोजना निदेशक डॉ. सुनील चौहान, जायका समीक्षा मिशन के साथ इस दौरे पर हैं. इससे पहले, अपनी यात्रा के दूसरे दिन जायका समीक्षा मिशन ने किसानों की आवश्यकता के अनुसार परियोजना के परिणामों को प्राप्त करने के लिए परियोजना मुख्यालय, हमीरपुर में पुनर्विनियोजन प्रस्तावों पर चर्चा की. जायका समीक्षा मिशन ने 2026 -कैलेंडर भी जारी किया, जिसमें परियोजना के चरण-II के जायका मिशनों की सभी सात यात्राओं को दर्शाया गया है. परियोजना के इस चरण की शुरुआत जुलाई 2021 के बाद परियोजना क्षेत्र में आने वाला वर्तमान मिशन सातवां जायका मिशन है. जायका समीक्षा मिशन जिला परियोजना प्रबंधन इकाई, पालमपुर के लिए रवाना हुआ और वहां निर्मित सिंचाई स्कीम दवाड़ कुहल क्षेत्र में हुई प्रगति की समीक्षा की. सिंचाई स्कीम दवाड़ कुहल रुपये 126.73 लाख की लागत से बनी है, जो 71.78 हेक्टेयर के कृषि योग्य कमांड क्षेत्र को सिंचित कर रही है और 190 किसान परिवारों को लाभ पहुँच रहा है। समीक्षा दौरे के दौरान दूसरे दिन, परियोजना के वित्त अधिकारी प्रदीप शर्मा, परियोजना उप निदेशक डॉ. राजेश कुमार, डॉ. करतार सिंह और डॉ. डी.डी. शर्मा के साथ-साथ पालमपुर के डिस्ट्रिक्ट प्रोजेक्ट मैनेजर डॉ. वाई.पी. कौशल भी मौजूद थे. स्टेट प्रोजेक्ट मैनेजमेंट यूनिट के सब्जेक्ट मैटर स्पेशलिस्ट डॉ. आशीष आनंद, डॉ. राकेश शर्मा और डॉ. जगदीश जेंजिहा, फील्ड स्टाफ, पी.एम.सी. के तकनीकी निदेशक नरेश गोयल, टीम लीडर सुमन सिजापति, को-टीम लीडर अनिल अग्रवाल और स्पेशलिस्ट भी दौरे के दौरान मौजूद थे।